

# FERAHFEZÂ ŞARKI

Curcuna

HASAN FEHİMİ MUTEL

Bir ni gâh -- et ..... ki gö nül -- ler ..... tit .....

--- re sin ( --- SAZ --- ) Sî ne ler yan --- --- sin tu tuş ---  
Her gö ren aş --- --- kın la fer ---

sun --- --- sön --- --- me sin ( --- SAZ --- ) Sî - ne ler ...  
yâd --- --- ey --- --- le sin Her gö ren --

yan --- --- sin tu tuş sun --- --- sön --- --- me sin ---  
aş --- --- kın la fer yâd --- --- ey --- --- le sin --(son)

( --- SAZ --- ) Hâ - nü mân - lar --- --- uğ - ru na --- ol ---

sun --- --- fe dâ -- ( --- SAZ --- ) Hâ nü mân -- lar ---

uğ - ru na --- ol --- --- sun --- --- fe dâ ( --- SAZ --- ) 2/4

Bir nigâh et ki gönüller fitresin  
Sîneler yansın tufuşsun, sönmesin  
Hânümânlar uğruna olsun fedâ  
Her gören aşkınla feryâd eylesin

" Ö.T.: 30-10-1953 "

( Güfte: Kendisi'nin )